A–0053

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

BAHL (N)-201

रीतिकालीन काव्य

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) (2×19=38)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. रीतिकालीन काव्य में 'रीति' का क्या अर्थ है ? रीति की परिभाषा और लक्षण बताइए।

2. रीतिमुक्त काव्यधारा का परिचय देते हुए रीतिमुक्त काव्यधारा के प्रतिनिधि कवि के रूप घनानंद के काव्य का विश्लेषण कीजिए।

3. आचार्य रीतिकाल के नामकरण की समस्या पर सविस्तार विचार कीजिए।

4. रीतिकालीन कवि भूषण के काव्यगत विशेषताओं का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

5. रीतिकालीन उर्दू काव्यधारा का परिचय देते हुए काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) (4×8=32)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. रीतिकाल को शृंगारकाल क्यों कहा जाता है ?

2. रीतिसिद्ध कविता का परिचय दीजिए।

3. पद्माकर की कविता में प्रकृति चित्रण पर टिप्पणी लिखिए।

4. मतिराम की कविता में शृंगार निरूपण पर टिप्पणी लिखिए।

5. कवि देव की कल्पना शक्ति का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

6. रीतिकाल की नीतिपरक कविता पर टिप्पणी लिखिए।

7. रीतिकालीन गद्य साहित्य का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

8. बिहारी की रचनाओं के साहित्यक महत्व पर टिप्पणी लिखिए।

****